समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

मणिपुर मे स्थिरता की चुनौती : पीएम मोदी के दौरे के बाद आगे की राह क्या ?

Publisher

Published on 15 Sep 2025

मणिपुर, जो पूर्वोत्तर भारत का एक संवेदनशील राज्य है, हाल ही में हिंसा और अस्थिरता के कारण चर्चा में रहा। राज्य में नागरिक अशांति, हथियारबंद संघर्ष और स्थानीय प्रशासनिक चुनौतियों के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाल का दौरा एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है। हालांकि प्रधानमंत्री के दौरे ने कुछ हद तक माहौल को शांति की ओर मोड़ा है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि केवल हावभाव और आश्वासन से गहरे जख्म नहीं भर सकते।

प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर का दौरा करते हुए स्थानीय अधिकारियों और नागरिकों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य में स्थिरता लाने और स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। दौरे के दौरान प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से यह संदेश दिया कि हिंसा और असुरक्षा राज्य की विकास प्रक्रिया को बाधित कर रही है और इसे दूर करना सभी का कर्तव्य है।

प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान, राज्य के विभिन्न हिस्सों में सुरक्षा बलों की तैनाती, सशस्त्र संघर्ष क्षेत्रों का दौरा और प्रभावित परिवारों से मुलाकात की गई। प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार की ओर से राहत और पुनर्वास की योजना की घोषणा भी की।

मणिपुर में हाल के महीनों में कई हिंसक घटनाएँ हुई हैं, जिनमें नागरिकों के जीवन और संपत्ति को गंभीर नुकसान पहुंचा है। इन घटनाओं का कारण जातीय तनाव, स्थानीय राजनीतिक संघर्ष और हथियारबंद समूहों की गतिविधियाँ बताई जा रही हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि केवल प्रशासनिक कदम और आश्वासन से स्थायी शांति नहीं लाई जा सकती। राज्य में सामाजिक और आर्थिक सुधारों के साथ-साथ स्थानीय समुदायों के बीच विश्वास और संवाद स्थापित करना भी आवश्यक है।

मणिपुर राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री के दौरे के बाद सुरक्षा बढ़ाने और हिंसा की घटनाओं पर नियंत्रण के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें पुलिस और सुरक्षा बलों की तैनाती, प्रभावित क्षेत्रों में नियमित निगरानी और स्थानीय नेताओं के साथ संवाद शामिल हैं।

हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि प्रशासनिक उपायों के साथ-साथ स्थानीय युवाओं को रोजगार और शिक्षा के अवसर प्रदान

करना, सामाजिक तनाव कम करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

राजनीतिक और सामाजिक विशेषज्ञ मानते हैं कि मणिपुर में स्थिरता केवल सुरक्षा बलों और दौरे से नहीं आएगी। इसके लिए स्थानीय समुदायों के बीच समझ, संवाद और विश्वास की प्रक्रिया जरूरी है। इसके अलावा, शिक्षा, रोजगार और बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से दीर्घकालिक समाधान खोजा जा सकता है।

विशेषज्ञों का सुझाव है कि केंद्र और राज्य सरकार को संयुक्त रणनीति अपनाते हुए स्थानीय नेताओं, सामाजिक संगठनों और नागरिक समुदायों के साथ मिलकर शांति प्रक्रिया को मजबूत करना चाहिए।

मणिपुर में प्रधानमंत्री का दौरा एक सकारात्मक कदम है, लेकिन केवल दौरे और हावभाव से जख्म नहीं भर सकते। स्थिरता और शांति के लिए दीर्घकालिक नीतियाँ, स्थानीय लोगों के साथ संवाद और सामाजिक-आर्थिक सुधार आवश्यक हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.